यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 10

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

परीक्षा दिनांक 01.10.2023, पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे। (परीक्षा दिनांक 01.10.2023)

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न-1. नीचे लिखी गाथाओं को पूरा करो- 18

1. जे यावि .....।
हीलंति .....।।
2. जस्संतिए .....।
..... य णिच्चं।।
3. महागरा .....।
संपाविउकामे .....।।
4. सुयं में भविस्सइ ..... ।
.....पयं भवइं।।
5. जाई-मरणाओ .....
.....महिड्ढिए।।
6. वो इत्थीहिं ..... ।
.....करंवा वा।।

7. समं च .....।

बंभचेर-रओ .....।।

8. भेदं वा .....।

..... कासाणुवादी।।

9. संसार सुख .....

..... बेभान हो।

10. संतो को .....

.....मंत्र नवकार।।

11. यदि शांति .....

..... पा लिया।

12. सुनो सदा .....

..... ज्ञान अपार ।।

प्रश्न- 2. नीचे लिखी गाथाओं का अर्थ लिखों- **12**

1. आसीविसो यावि परं सुरुट्ठो, किं जीयनासाओं परं नु कुज्जा।

आयरियपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहि आसायण नत्थि मोक्खो।।

.....

.....

.....

.....

2. जो पव्वयं सिरसा भेत्तुमिच्छे, सुत्तं व सीहं पडिबोहएज्जा।

जो वा दए सत्तिअग्गे पहारं, एसोवमाऽऽसायणया गुरूणं।।

.....

.....

.....

.....

3. जिणवयणरए अतिंतिणे, पडिपुण्णययमाययट्ठिए।

आयारसमाहिसंवुडे, भवइ य दंते भावसंधए।।

.....

.....

.....

.....

4. सुयं में आउसं। तेणं भगवया एवमक्खायं–

इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं दस बंभचेर–समाहि–ठाणा पन्नत्ता।।

.....

.....

.....

.....

5. धम्म–लद्धं मियं काले, जत्तत्थं पणिहाणवं।

नाइ–मत्तं तु भुंजेज्जा, बंभचेर–रओ सया।।

.....

.....

.....

.....

6. धम्मारामे चरे भिक्खू, धिइमं धम्म–सारही।

धम्मारामे रए दंते, बंभचेर–समाहिए।।

.....

.....

.....

.....

प्रश्न–3. चरण बताइये– **7**

1. एस धम्मे धुवे निच्चे .....

2. आलयं तु निसेवए .....

2. तम्हा अणाबाहसुहाभिकरंवी .....

4. सिया हु सीसेण गिरिं पि भिंदे .....

3. आलओ थीजणाइन्नो .....

5. हो बंधनों से मुक्त आत्मा .....

7. अशुद्ध भोजन कभी न खाओ .....

प्रश्न–4. पद पहचानकर आगे की गाथा लिखो– **5**

1. ते हं गुरू सययं पूययामि .....

.....

2. तासिं इंदिय–दरिसणं .....

.....

3. सिंगारत्थं न धारए .....

.....

4. जे हीतिया सिहिरिव भास कुज्जा .....

.....

5. गुरुप्पसायाभिमुहो रमेज्जा .....

.....

प्रश्न–5. संक्षेप में उत्तर दीजिए– **20**

1. वनस्पति की अपेक्षा अनंतकाल समझाइये।

.....

.....

.....

.....

2. नील लेश्या की उत्कृष्ट स्थिति व अंतर बताइये।

.....

.....

.....

.....

3. नाम कर्म की 13, 36, 64, 82, प्रकृति कौन सी है किन्हीं 2 की परिभाषा लिखो।

.....

.....

.....

.....

4. गर्भ में रहा हुआ जीव मरकर किस कारण देवों में उत्पन्न होता है?

.....

.....

.....

.....

5. महासती रंगूजी ने धर्म की रक्षा कैसे करी?

.....

.....

.....

.....

6. रोहिणेय चोर को संसार की क्षणिकता का बोध कैसे हुआ?

.....

.....

.....

.....

7. लोकाशाह को संसार की क्षणिकता का बोध कैसे हुआ?

.....

.....

.....

.....

8. साधक कितनी प्रकार के होते है? समझाइये।

.....

.....

.....

.....

9. असंज्ञी मनुष्य के प्रतिघात न होने के 2 कारण लिखो।

.....

.....

.....

.....

10. अवधि ज्ञान किसे कहते है?

.....

.....

.....

.....

प्रश्न-6 अंकों में उत्तर दीजिए- **10**

1. अवधिदर्शनी की उत्कृष्ट कायस्थिति .....
2. बादर वायुकायिक की उत्कृष्ट कायस्थिति .....
3. कायस्थिति में पद कितने .....
4. जीव कितने शरीर सहित उत्पन्न होता है। .....
5. मोहनीय कर्म में प्रत्याख्यानावरण मान कौनसी प्रकृति है? .....
6. रंगूजी म.सा. ने कितने द्रव्यों को रखा था? .....
7. रोहिणेय ने भगवान महावीर के मुख से कितने वचन सुने? .....
8. लोकाशाह ने ज्ञानजी स्वामी को निमंत्रण देकर कितने ठाणे से बुलाया? .....
9. साधुजी का चोलपट्टा घुटने से कितने अंगुल नीचे होता है? .....
10. गर्म पानी शीतकाल में कितने प्रहर के बाद सचित्त हो जाता है? .....

प्रश्न-7. सचित्त अचित्त अलग-अलग कीजिये- **5**

1. सेंध नमक, जलता धूप, राख, हिंगुल, हींग, गुड़, केसर, कच्चा दूध, ए.सी. से निकला पानी, चालू टार्च, चूने का पानी

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न-8. एक शब्द में उत्तर दीजिए- **10**

1. निर्दोष चारित्र की आराधना के लिए संयमी साधकों को जिन नियमों का पालन करना अनिवार्य हैं।
2. ''जीर्ण हो चुके वस्त्र परठ दे'' ऐसा कौन से आगम में कथन है?
3. साधु के मुंहपत्ती व ..... अनिवार्य होता है।
4. प्रभु महावीर के बाद किसके प्रभाव से आर्यों के विचारों में मतभेद हुए।
5. सुने हुए धर्म को ग्रहण करके उस पर क्या करने को तत्पर रहना चाहिए।
6. असंयम से जीने की अपेक्षा किसमें मरना श्रेष्ठ है।

7. अनेक बार भोगने योग्य वस्तु को क्या कहते है?

8. आतप नामकर्म का उदय कहा नहीं होता है?

9. किसके गर्भ की स्थिति उत्कृष्ट 6 मास की होती है?

10. काय अपरित का अंतर कौनसा असंख्यात काल है?

प्रश्न- 9. सही तथा गलत बताइये- **5**

1. पिसा हुआ बिना छना हुआ आटा सचित्त है। ( )

2. भयंकर से भंयकर वर्षा ऋतु में भी एक ही चादर ओढ़कर रहते थे। ( )

3. श्रावक का आचार हमेशा ऊँचा यानि मात्र मोक्ष जाने का होता है। ( )

4. तीन प्रकारों के शरीर में ही अंगोपांग होते है। ( )

5. पर्याप्त तेउकाय की कायस्थिति संख्यात महीने है। ( )

प्रश्न-10. खाली स्थान भरिए- **5**

1. लोकाशाह ने सर्वप्रथम ..... सूत्र लिखना प्रारम्भ किया।

2. माता की ..... कुक्षी में पुत्र उत्पन्न होता है।

3. ..... मतानुसार मिथ्यादृष्टि का अंतर 132 सागरोपम झाझेरी हैं

4. जम्बू द्वीप के ..... क्षेत्र में उत्पन्न मनुष्यों में ..... संस्थान ही पाया जाता है।

5. ..... के विशेष धर्मों का बोध ज्ञान कहलाता है।